DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

17 September, 2024

20वीं समुद्री राज्य विकास परिषद (एमएसडीसी)

संदर्भ: *हाल ही में गोवा में 20वीं समुद्री राज्य विकास परिषद का समापन हुआ।*

➢ **अवलोकन:**

- गोवा में 20वीं समुद्री राज्य विकास परिषद में विभिन्न समुद्री चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 80 से अधिक महत्वपूर्ण मुद्दों का समाधान किया गया।
- केंद्रीय मंत्री ने समुद्री क्षेत्र के प्रदर्शन को बढ़ावा देने के लिए राज्य और बंदरगाह रैंकिंग ढांचे पर चर्चा की।

➢ **एमएसडीसी के बारे में**

- एमएसडीसी **समुद्री क्षेत्र के विकास** के लिए एक **शीर्ष सलाहकार निकाय है** और इसका उद्देश्य प्रमुख और गैर-प्रमुख बंदरगाहों का एकीकृत विकास सुनिश्चित करना है।
- **गठन** : एमएसडीसी का गठन 1997 में पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा किया गया था
- **कार्य** : परिषद राज्य सरकारों के समन्वय से प्रमुख और गैर-प्रमुख बंदरगाहों के एकीकृत विकास के लिए जिम्मेदार है।
- **अध्यक्ष** : केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री एमएसडीसी की अध्यक्षता करते हैं।
- **बैठकों की आवृत्ति** : एमएसडीसी को प्रत्येक छह माह में कम से कम एक बार बैठक करने का निर्देश दिया गया है।
- **भूमिका** : परिषद भारतीय बंदरगाह विधेयक और सागरमाला कार्यक्रम जैसी नीतियों और पहलों को करने में सहायक रही है।

➢ **महत्व**

- **सामरिक महत्व** : भारत की समुद्री अवसंरचना, सुरक्षा और परिचालन दक्षता को बढ़ाने के लिए एमएसडीसी के प्रयास महत्वपूर्ण हैं।
- **नीति** : परिषद की पहल राष्ट्रीय समुद्री नीतियों का समर्थन करती है और समुद्री विवाद समाधान में भारत को वैश्विक स्तर पर स्थान दिलाती है।

20वीं एमएसडीसी के मुख्य परिणाम

➢ **उभरती चुनौतियों का समाधान :**

- **शरण स्थल** : बैठक में संकटग्रस्त जहाजों के लिए शरण स्थल की स्थापना पर चर्चा की गई।
- **रेडियोधर्मी जांच** : सुरक्षा में सुधार के लिए बंदरगाहों पर रेडियोधर्मी जांच उपकरणों के विकास का प्रस्ताव किया गया।
- **नाविकों की स्थिति** : बेहतर कार्य स्थितियों की सुविधा के लिए नाविकों को आवश्यक श्रमिकों के रूप में मान्यता देने की जोरदार वकालत की गई।

➢ **नई पहल शुरू की गई :**

- **भारतीय समुद्री केंद्र** :
  - **उद्देश्य:** समुद्री हितधारकों को एकजुट करना, नवाचार, रणनीतिक योजना और ज्ञान साझाकरण को बढ़ावा देना।
  - भारत के समुद्री क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देना।
- **भारतीय अंतर्राष्ट्रीय समुद्री विवाद समाधान केंद्र** :
  - **उद्देश्य**: भारत को समुद्री मध्यस्थता के लिए वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना।
  - "भारत में समाधान" पहल के साथ तालमेल बिठाना, जटिल समुद्री विवादों के लिए समाधान प्रस्तुत करना।
- **राष्ट्रीय बंदरगाह सुरक्षा समिति** :
  - राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली प्लेटफॉर्म पर अनुप्रयोग का एकीकरण।
  - **उद्देश्य**: व्यापार को आसान बनाना, नियामक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना, दक्षता बढ़ाना।

➢ **राज्य-नेतृत्व वाली पहलों का प्रदर्शन :**

- **केरल** : ड्रेजर (निकर्षण) के लिए मुद्रीकरण तकनीकें।
- **गुजरात** : बंदरगाह-संचालित शहरी विकास परियोजनाएँ।

➢ **प्रमुख परियोजनाएं और योजनाएं :**

- **सबसे बड़ा ड्रेजर (निकर्षण) निर्माण** : रॉयल आईएचसी हॉलैंड के सहयोग से कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड में शुरू किया गया।
- **मेगा शिपबिल्डिंग पार्क** : दक्षता और नवाचार को बढ़ाने के लिए राज्यों में जहाज निर्माण क्षमताओं को समेकित करने की योजना।

➢ **राज्य रैंकिंग फ्रेमवर्क :**

- **उद्देश्य** : तटीय राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देना।
- प्रदर्शन और परिचालन मानकों को बढ़ाना।

वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024

संदर्भ: *हाल ही में, आईटीयू ने वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक 2024 जारी किया।*

➢ **अवलोकन:**

- हाल ही में, चीन ने ITU के माध्यम से तीन प्रमुख 6G मानकों को प्रस्तुत किया, जिससे वैश्विक दूरसंचार ढांचे और प्रदर्शन में उन्नति हुई।
- भारत ने नवीनतम वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 में टियर-1 स्थान हासिल किया है।

➢ **वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 का अवलोकन :**

- **उद्देश्य** : वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 पांच स्तंभों में साइबर सुरक्षा प्रतिबद्धताओं का आकलन करता है: कानूनी, तकनीकी, संगठनात्मक, क्षमता विकास और सहयोग।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

- **विश्लेषण विधि** : जीसीआई 2024 साइबर सुरक्षा में देश की प्रगति और प्रभावों का मूल्यांकन करने के लिए पांच-स्तरीय प्रणाली (टियर 1 से टियर 5) का उपयोग करता है।

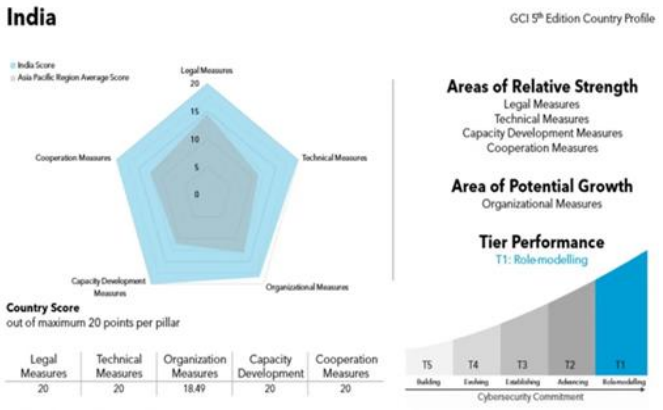

➢ मुख्य बातें :

- **भारत की स्थिति** : भारत टियर 1 में है, जो सभी पांच साइबर सुरक्षा स्तंभों के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- **वैश्विक रुझान** : 2021 में अंतिम जीसीआई प्रकाशन के बाद से साइबर सुरक्षा में वैश्विक सुधार हुआ है, जिसमें अफ्रीका ने सबसे महत्वपूर्ण प्रगति की है।
- **डिजिटल सेवाओं का विस्तार** : कई देश टियर 3 ("स्थापित") या टियर 4 ("विकसित") में हैं, जहां डिजिटल सेवाओं का विस्तार हो रहा है, लेकिन मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।
- चीन ने ITU के माध्यम से तीन प्रमुख 6G मानकों को प्रस्तुत किया, जिसका उद्देश्य तीव्र संचार, कम विलंबता और AI एकीकरण को बढ़ाना है।

➢ 6G प्रौद्योगिकी अवलोकन :

- **विकास** : 6G विकास की संभावना वर्ष 2030 के आसपास है, जिसका लक्ष्य 5G की तुलना में अधिक गति, कम विलंबता और बढ़ी हुई बैंडविड्थ है।
- **प्रदर्शन** : विशेषताओं में माइक्रोसेकंड-स्तर की गति, 5G की तुलना में 1,000 गुना कम विलंबता, तीन 160-मेगाहर्ट्ज (मेगाहर्ट्ज) चैनलों के लिए समर्थन और एआई और मशीन लर्निंग का एकीकरण शामिल हैं।
- **सुरक्षा और दक्षता** : उन्नत सुरक्षा उपाय साइबर खतरों और सिग्नल जाम होने को रोकेगा। गतिशील क्षमता समायोजन के साथ 6G अधिक ऊर्जा-कुशल होगा।

➢ आईटीयू अवलोकन :

- **उत्पत्ति** : 17 मई 1865 को अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ कन्वेंशन पर हस्ताक्षर के साथ अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ संघ की स्थापना हुई।
- **भूमिका** : आईटीयू संयुक्त राष्ट्र की सबसे पुरानी विशेष एजेंसी है, जो वैश्विक डिजिटल प्रौद्योगिकी और संचार पर ध्यान केंद्रित करती है।
- **सदस्य** : इसमें 193 सदस्य देश (जैसे, भारत) तथा अन्य सदस्य जैसे कम्पनियां और विश्वविद्यालय शामिल हैं।
- **प्रमुख रिपोर्टें** : इसमें वैश्विक कनेक्टिविटी रिपोर्ट और वैश्विक ई-वेस्ट मॉनिटर शामिल हैं।

➢ साइबर सुरक्षा में प्रमुख मुद्दे :

- **चिंताजनक खतरे** : इसमें रैनसमवेयर हमले, प्रमुख उद्योगों को प्रभावित करने वाले साइबर उल्लंघन और महंगी प्रणाली रुकावटें शामिल हैं।
- **साइबर क्षमता अंतराल** : कौशल, स्टाफ, उपकरण और वित्तपोषण की सीमाएं है।
- **परिचालन चुनौतियाँ** : साइबर सुरक्षा समझौतों के कार्यान्वयन और संचालन में कठिनाइयाँ।

➢ मुख्य सिफारिशें :

- **राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति** : एक व्यापक राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति विकसित करना और उसे नियमित रूप से अद्यतन करना।
- **क्षमता निर्माण** : साइबर सुरक्षा पेशेवरों, युवाओं और कमजोर समूहों के प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित करना।
- **सहयोग** : सूचना साझाकरण और प्रशिक्षण अवसरों के लिए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाना।

निपाह वायरस

***संदर्भ**: हाल ही में केरल में निपाह वायरस से एक व्यक्ति की मृत्यु हुई जो जुलाई के बाद दूसरा मामला है।*

➢ अवलोकन:

- निपाह वायरस अपनी महामारी क्षमता के कारण विश्व स्वास्थ्य संगठन की प्राथमिकता वाला रोगज़नक़ है, तथा इसका कोई टीका या इलाज उपलब्ध नहीं है।
- पिछले वर्ष रॉयटर्स की जांच से पता चला था कि केरल के कुछ हिस्से वैश्विक स्तर पर वायरस के प्रकोप के लिए सबसे अधिक जोखिम वाले क्षेत्रों में से हैं।

➢ निपाह वायरस अवलोकन:

- **परिवार और वंश:** पैरामाइक्सोविरिडे, हेनिपावायरस
- **निकट से संबंधित वायरस:** हेंड्रा वायरस
- **प्रारंभिक प्रकोप:** मलेशिया और सिंगापुर, 1998-1999
- **नाम रखा गया:** सुंगई निपाह गांव, मलेशिया

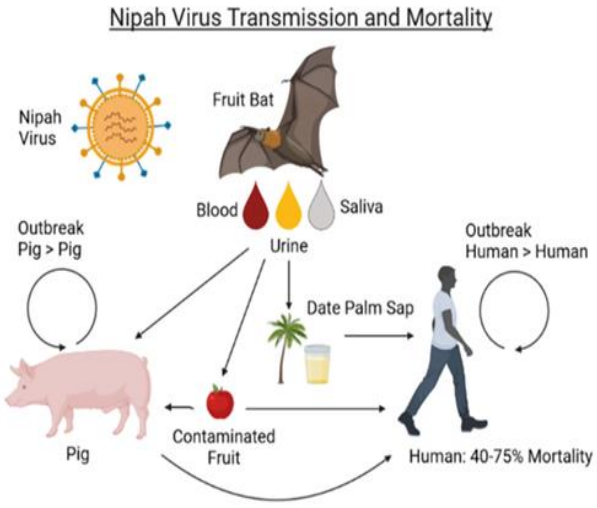

➢ संचरण:

- **प्राथमिक जलाशय:** फल चमगादड़ (जीनस *टेरोपस*)
- **मध्यवर्ती मेज़बान:** घरेलू सूअर, कुत्ते, बिल्लियाँ, बकरियाँ, घोड़े, भेड़ें
- **मानव संचरण:** संक्रमित जानवरों के शारीरिक तरल पदार्थ या स्राव के साथ सीधा संपर्क; मानव-से-मानव के बीच निकट संपर्क के माध्यम से

- **लक्षण:**
  - **प्रारंभिक लक्षण:** बुखार, सिरदर्द
  - **प्रगतिशील लक्षण:** एन्सेफलाइटिस (मानसिक भ्रम, भटकाव, कोमा)
  - **संभावित परिणाम:** गंभीर तंत्रिका संबंधी जटिलताएं और मृत्यु
- **निदान:**
  - **निदान विधियाँ:** आरटी-पीसीआर (रिवर्स ट्रांसक्रिप्शन पॉलीमरेज़ चेन रिएक्शन), सीरोलॉजिकल परीक्षण, वायरस से बचाव
  - **विभेदक निदान:** अन्य वायरल इंसेफेलाइटिस और श्वसन संबंधी बीमारियों से अंतर करना
- **उपचार:**
  - **वर्तमान विकल्प:** सहायक देखभाल मुख्य आधार है (लक्षणों का प्रबंधन, गहन सहायक उपाय)
  - इसका कोई विशिष्ट एंटीवायरल दवा या टीका नहीं है, इसके लिए अनुसंधान जारी है।
- **रोकथाम:**
  - **जोखिम से बचें:** चमगादड़ों और संक्रमित जानवरों के संपर्क से बचें; स्वास्थ्य कर्मियों के लिए सुरक्षात्मक उपयोग करें।
  - **स्वच्छता संबंधी व्यवहार:** उचित सफाई और स्वच्छता, विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां प्रकोप की जानकारी है।
- **सार्वजनिक स्वास्थ्य महत्त्व:**
  - **डब्ल्यूएचओ वर्गीकरण:** महामारी क्षमता के कारण प्राथमिक रोगजनक
  - **प्रभाव:** प्रकोपों में उच्च मृत्यु दर; गंभीर प्रकोप पैदा कर सकता है जिसका सार्वजनिक स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ सकता है

उड़ने वाली लोमड़ी(फल चमगादड़)

- **वर्गीकरण:**
  - **परिवार:** टेरोपोडिडे
  - **वंश:** *टेरोपस* (मुख्यतः)
  - **स्वरूप:** लोमड़ी जैसे चेहरे वाले बड़े चमगादड़; पंखों का फैलाव 60 सेमी से लेकर 1.5 मीटर तक होता है, जो प्रजाति पर निर्भर करता है।
- **प्राकृतिक वास:**
  - **विस्तार:** एशिया, अफ्रीका और ओशिनिया के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय क्षेत्र।
  - **निवास स्थान:** जंगल, मैंग्रोव और शहरी क्षेत्र में पाए जाते है, वे पेड़ों पर बड़ी बस्तियों में बसेरा बनाते हैं।
- **आहार और पारिस्थितिकी:**
  - **आहार:** मुख्यतः फल, रस और फूल।
  - **पारिस्थितिक भूमिका:** यह प्रमुख परागणकर्ता और बीज फैलाने वाले होते है, पौधों के प्रजनन में सहायता करके अपने पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य में योगदान करते हैं।
- **जूनोटिक महत्व:**
  - **रोग भंडार:** निपाह और हेंड्रा जैसे वायरसों के लिए प्राकृतिक मेजबान करते है।
  - **संचरण:** ये वायरस अन्य जानवरों और मनुष्यों तक संचारित हो सकते हैं, विशेष रूप से उनके लार, मूत्र या मल के संपर्क के माध्यम से।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

बुकर पुरस्कार

हाल ही में, 2024 बुकर पुरस्कार की शॉर्टलिस्ट की घोषणा की गई है, जिसमें 55 साल के इतिहास में सबसे अधिक संख्या में महिलाओं को शामिल किया गया है।

बुकर पुरस्कार के बारे में:

- बुकर पुरस्कार एक साहित्यिक पुरस्कार है जो अंग्रेजी में लिखे गए और यूनाइटेड किंगडम या आयरलैंड में प्रकाशित लंबे-फॉर्म फिक्शन के सर्वश्रेष्ठ काम को मान्यता देता है।
- बुकर पुरस्कार की स्थापना 1969 में टॉम मैशलर और ग्राहम ग्रीन ने की थी। इसे पहले फिक्शन के लिए बुकर पुरस्कार (1969-2001) और मैन बुकर पुरस्कार (2002-2019) के रूप में जाना जाता था।
- बुकर पुरस्कार के विजेता को £50,000 का नकद पुरस्कार मिलता है, और छह शॉर्टलिस्ट किए गए लेखकों में से प्रत्येक को £2,500 मिलते हैं।
- 2024 बुकर पुरस्कार की शॉर्टलिस्ट में रिकॉर्ड संख्या में महिलाएँ शामिल हैं, जिसमें छह फाइनलिस्ट में से पाँच महिला लेखक हैं।
- 2024 की शॉर्टलिस्ट में पाँच देशों के लेखक शामिल हैं, जिसमें पहली बार नीदरलैंड का प्रतिनिधित्व किया गया है।
- बुकर पुरस्कार के पिछले विजेताओं में सलमान रुश्दी, मार्गरेट एटवुड और अरुंधति रॉय जैसे प्रमुख लेखक शामिल हैं।
- अरुंधति रॉय 1997 में बुकर पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय महिला थीं।

एनपीएस-वात्सल्य योजना

केंद्रीय बजट 2024-25 में की गई घोषणा के अनुसरण में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कल 18 सितंबर को नई दिल्ली में एनपीएस-वात्सल्य योजना का शुभारंभ करेंगी।

एनपीएस-वात्सल्य योजना के बारे में:

- एनपीएस-वात्सल्य योजना राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) का एक हिस्सा है जिसे केंद्रीय बजट 2024 में पेश किया गया था।
- यह योजना माता-पिता और अभिभावकों को पेंशन खाते में निवेश करके अपने बच्चों के वित्तीय भविष्य के लिए बचत करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन की गई है।
- माता-पिता न्यूनतम रु. अपने बच्चे के नाम पर सालाना 1,000 रुपये जमा कर सकते हैं।
- नाबालिग के 18 वर्ष की आयु तक पहुंचने पर, एनपीएस वात्सल्य खाता स्वचालित रूप से एक नियमित एनपीएस खाते में परिवर्तित हो जाएगा।
- यह 18 से 70 वर्ष की आयु के व्यक्तियों के लिए उपलब्ध है।
- यह योजना एक दीर्घकालिक बचत समाधान प्रदान करती है जो बच्चे के साथ बढ़ती है।
- यह योजना पेंशन फंड विनियामक और विकास प्राधिकरण (PFRDA) के तहत चलाई जाएगी।
- यह एक स्वैच्छिक पेंशन योजना है जो निवासियों और अनिवासी भारतीयों (NRI) दोनों के लिए खुली है।

तालिबान

हाल ही में, संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने घोषणा की कि तालिबान ने अफ़गानिस्तान में सभी पोलियो टीकाकरण अभियानों को निलंबित कर दिया है।

तालिबान के बारे में:

- तालिबान आधिकारिक तौर पर 1994 में अफ़गान गृह युद्ध के दौरान बना था और इसमें मुख्य रूप से मुजाहिदीन लड़ाके शामिल थे, जिन्होंने 1969 से 1989 तक अफ़गानिस्तान में सोवियत संघ के खिलाफ़ लड़ाई लड़ी थी।
- तालिबान शब्द का अनुवाद पश्तो में "छात्र" होता है, क्योंकि इसके कई सदस्य अफ़गानिस्तान और पाकिस्तान के मदरसों (धार्मिक स्कूलों) के छात्र थे।
- सोवियत-अफ़गान युद्ध के दौरान, तालिबान के पूर्ववर्ती, मुजाहिदीन को अमेरिकी केंद्रीय खुफिया एजेंसी (CIA) और पाकिस्तान की इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (ISI) से गुप्त समर्थन प्राप्त हुआ।
- 1996 में, तालिबान ने अफ़गानिस्तान की राजधानी काबुल पर कब्ज़ा कर लिया और मुल्ला उमर को राज्य प्रमुख बनाकर अफ़गानिस्तान के इस्लामी अमीरात की स्थापना की।
- तालिबान ने अपने शासन के दौरान सख्त शरिया कानून लागू किया, जिसमें महिलाओं और बच्चों के अधिकारों पर गंभीर प्रतिबंध शामिल थे और मानवाधिकारों के उल्लंघन के लिए वैश्विक आलोचना हुई।
- तालिबान की महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार, लड़कियों को शिक्षा से वंचित रखने तथा अपने शासन के दौरान वंचित आबादी तक अंतर्राष्ट्रीय सहायता पहुंचाने से इनकार करने के लिए व्यापक रूप से निंदा की गई।

समाचार में स्थान

ईरान

हाल ही में, ईरान के सर्वोच्च नेता, सैय्यद अली होसैनी खामेनेई ने गाजा और म्यांमार के साथ भारत का उल्लेख उन क्षेत्रों के रूप में किया, जहाँ मुसलमान पीड़ित हैं।

ईरान (राजधानी: तेहरान)

स्थान: ईरान को फारस और आधिकारिक तौर पर इस्लामी गणराज्य ईरान के रूप में भी जाना जाता है, यह पश्चिमी एशिया में स्थित एक देश है।

सीमाएँ: ईरान की सीमाएँ पाकिस्तान और अफ़गानिस्तान (पूर्व), तुर्की और इराक (पश्चिम), अज़रबैजान, आर्मेनिया, तुर्कमेनिस्तान और कैस्पियन सागर (उत्तर) और फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी (दक्षिण) से मिलती हैं।

भौतिक विशेषताएँ:

- करुण नदी ईरान की सबसे महत्वपूर्ण नदी है, जो ज़ाग्रोस पर्वत से होकर बहती है और कृषि गतिविधियों का समर्थन करती है।
- माउंट दमावंद एक सक्रिय ज्वालामुखी है, जिसे एक स्ट्रैटोवोलकैनो माना जाता है, जो अल्बोरज़ पर्वत श्रृंखला में स्थित है।
- ईरान में तेल और प्राकृतिक गैस के पर्याप्त भंडार हैं।

सदस्यता: ईरान संयुक्त राष्ट्र, गुटनिरपेक्ष आंदोलन, इस्लामिक सहयोग संगठन, आर्थिक सहयोग संगठन, शंघाई सहयोग संगठन, विश्व स्वास्थ्य संगठन और अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी सहित विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का सदस्य है।

POINTS TO PONDER

- हाल नाविका सागर परिक्रमा II कहाँ शुरू की गई थी? – **वेरेम, गोवा**
- भारत में CERT-In की स्थापना किस वर्ष हुई थी? – **2004**
- प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण उद्यम त्वरण केंद्र (CREATE) का उद्घाटन कहां किया गया ? – **लेह**
- भास्कर पहल क्या है? – **अंतरिक्ष अनुसंधान**
- एमपॉक्स (पूर्व में मंकीपॉक्स) सबसे पहले कहां खोजा गया था? – **डेनमार्क,1958**